

कार्यालय, अंचल अधिकारी, चतरा।

संदेहात्मक जमाबंदी वाद सं०.....76/17-18.....

29/11/24

अभिलेख उपस्थापित।

संदेहात्मक जमाबंदी से संबंधित लंबित वादों की समीक्षा के पश्चात खोजबीन कर अभिलेख आज प्रस्तुत किया गया। अभिलेख का अवलोकन किया। राजस्व उपनिरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक का प्रतिवेदन तथा जमाबंदी रैयत की ओर से उनके वंशज के द्वारा भूमि से संबंधित कागजात प्रस्तुत किया गया है।

अभिलेख दिनांक.....09/12/24.....को प्रस्तुत करें।


29/11/24
अंचल अधिकारी,
चतरा।

09/12/24

अभिलेख उपस्थापित।

हल्का राजस्व उपनिरीक्षक/अंचल निरीक्षक द्वारा समर्पित जांच प्रतिवेदन एवं जमाबंदी रैयत के वंशज द्वारा प्रस्तुत कागजातों का अवलोकन किया।

हल्का राजस्व उपनिरीक्षक/अंचल निरीक्षक के जांच प्रतिवेदन के अवलोकन से ज्ञात होता है कि इस वाद से संबंधित जमाबंदी में निहित भूमि विगत कैंडस्ट्रल सर्वे खतियान के अनुसार गैरमजरूआ खास है। ऑफलाईन पंजी-II के पृष्ठ सं०-33, भाग सं०-01 एवं पृष्ठ सं०-39, भाग सं०-01 पर मुंडिल महतो, पिता-चुल्हन महतो के नाम से जमाबंदी कायम है, जिसपर परिवर्तन के प्राधिकार कॉलम में किसी सक्षम पदाधिकारी का आदेश दर्ज नहीं है। दोनों पंजी-II कायम होने का वर्ष दर्ज नहीं है। दोनों पंजी-II के अनुसार निम्नलिखित लगान रसीदों के माध्यम से लगान वसुली किये जाने का इन्द्राज है।

क्र०	लगान रसीद सं०	पृष्ठ सं०	रसीद निर्गत की तिथि	वसूली वर्ष
1	4018760	33/1	22.10.2009	2009
2	2842356	39/1	02.07.2007	2007

हल्का राजस्व उपनिरीक्षक तथा अंचल निरीक्षक के जांच प्रतिवेदन एवं आवेदक द्वारा प्रस्तुत कागजातों का अवलोकन किया। जांच प्रतिवेदन तथा प्रस्तुत कागजातों एवं अभिलेख के अवलोकन से ज्ञात होता है कि इस वाद से संबंधित भूमि/जमाबंदी का विवरण निम्नवत है:-

प्रश्नगत भूमि एवं जमाबंदी का विवरण

जमाबंदी रैयत का नाम/पिता पति का नाम	मौजा एवं थाना सं०	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा	जमाबंदी पंजी II का पृष्ठ सं०
मुंडिल महतो, पिता-चुल्हन महतो, सा०-माईल, थाना वो जिला-चतरा	माईल उर्फ शाएल/198	34	—	0.42 ए०	33/1
		34/48	—	0.90 ए०	39/1
		कुल रकबा/—		1.32 ए०	

हल्का राजस्व उपनिरीक्षक तथा अंचल निरीक्षक ने प्रतिवेदित किया है कि प्रश्नगत भूमि विगत कैंडस्ट्रल सर्वे खतियान के अनुसार गैरमजरूआ खास खाता की है। प्रश्नगत जमाबंदी के परिवर्तन के लिए प्राधिकार स्तम्भ में किसी सक्षम पदाधिकारी का आदेश दर्ज नहीं है। वर्तमान दोनों ऑनलाईन पंजी-II में वर्ष 2009 एवं 2007

लगान रसीदों के माध्यम से वसूली दर्ज है। जांच प्रतिवेदन में लगान रसीदों की संख्या एवं तिथि दर्ज है। हल्का राजस्व उपनिरीक्षक ने पुनः प्रतिवेदित किया है कि वर्तमान ऑनलाईन पंजी-II के पृष्ठ सं०-33/1 एवं 39/1 पर प्रश्नगत जमाबंदी कायम है, वर्ष 2007 एवं 2009 तक ऑनलाईन लगान रसीद दर्ज है, ऑनलाईन दोनों पंजी-II का छायाप्रति संलग्न किया है। इन्होंने प्रतिवेदित किया है कि जमाबंदी रैयत के वंशज के द्वारा जो कागजात प्रस्तुत किया गया है उसके अनुसार जमाबंदी रैयत को प्रश्नगत भूमि हुकुमनामा से हासिल है। जमाबंदी पंजी पर किसी सक्षम पदाधिकारी का आदेश दर्ज नहीं है तथा भूतपूर्व जमींदार द्वारा क्षतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत विवरण/रिटर्न का प्रति प्रस्तुत नहीं किया गया है। इन्होंने मुख्य सचिव, झारखण्ड के विभागीय पत्रांक 2074/रा०, दिनांक 13.05.2016 एवं इस संदर्भ में सरकार के विभिन्न परिपत्रों में निर्गत निदेश के आलोक में प्रश्नगत जमाबंदी को संदेहात्मक बताते हुए बिहार/झारखण्ड भूमि सुधार अधिनियम 1950/2000 की धारा 4H के तहत प्रश्नगत जमाबंदी को रद्द करने की अनुशंसा की है। इन्होंने प्रतिवेदित किया है कि सरकार के विभागीय पत्रांक 6144/रा०, दिनांक 21.12.2017 के अनुसार जमाबंदी रैयत/इनके वंशज सुयोग्य श्रेणी के अंतर्गत नहीं आते हैं, फलस्वरूप प्रश्नगत भूमि का पुनः बन्दोबस्ती इनके साथ किया जाना उचित नहीं है।

जमाबंदी रैयत के वंशज द्वारा प्रस्तुत कागजातों का अवलोकन किया। इन्होंने प्रश्नगत भूमि का विभिन्न सरकारी लगान रसीद प्रस्तुत किया है। इनके द्वारा जमींदारी क्षतिपूर्ति से संबंधित रिटर्न प्रस्तुत नहीं किया है। प्रस्तुत कागजात संदेहात्मक प्रतीत होता है। जमाबंदी पर किसी सक्षम पदाधिकारी का आदेश दर्ज नहीं है।

हल्का राजस्व उपनिरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक के जांच प्रतिवेदन तथा प्रस्तुत कागजातों के आलोक में मुख्य सचिव, झारखण्ड के विभागीय पत्रांक 2074/रा०, दिनांक 13.05.2016 तथा इस संदर्भ में विभिन्न विभागीय परिपत्रों के अनुसार प्रश्नगत जमाबंदी संदेहात्मक है।

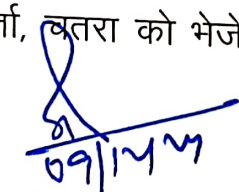
अतः मौजा-माईल उर्फ शाएल, थाना-चतरा, थाना नं०-198 के पंजी-II के पृष्ठ सं०-33/1 एवं 39/1 पर मुंडिल महतो, पिता-चुल्हन महतो, सा०-माईल के नाम से गैरमजरूआ खास खाता सं०-34 एवं 34/48 प्लॉट सं०-0, रकबा क्रमशः-0.42 ए०, 0.90 ए० कुल रकबा-1.32 ए० भूमि के लिए कायम प्रश्नगत जमाबंदी को बिहार/झारखण्ड भूमि सुधार अधिनियम 1950/2000 की धारा 4H के तहत रद्द करने की अनुशंसा की जाती है।

अभिलेख अग्रेतर कार्रवाई हेतु भूमि सुधार उपसमाहर्ता, चतरा को भेजें।

लेखापति एवं संशोधित



अंचल अधिकारी,
चतरा।



अंचल अधिकारी,
चतरा।